29 अगस्त 2019	राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए प्रशिक्षण फ्लिपचार्ट

प्रशिक्षक के लिए निर्देश

- यह फ्लिपचार्ट पढ़कर और प्रशिक्षक के नोट्स विस्तारपूर्वक समझकर प्रशिक्षण सत्र की पहले से तैयारी करें।
- प्रशिक्षण शुरू होने से पहले, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को हैंडआउट बांट दें। सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षण के समय हैंडआउट को भी समझाएं।
- प्रशिक्षण में हैंडआउट के साथ जुड़े रिपोर्टिंग फॉर्म और दिशा निर्देश विस्तार से समझाएं।
- आपको फ्लिपचार्ट में दी गई 10 महत्वपूर्ण जानकारी प्रशिक्षण में ज़रूर शामिल करनी हैं। इन में से कोई भी जानकारी न छोड़ें। इस फ्लिपचार्ट में प्रशिक्षार्थी (पार्टिसिपेंट) के लिए एक चित्र और प्रशिक्षक के लिए नोट्स दिए गए हैं।
- प्रशिक्षण बातचीत के माध्यम से करें, और सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षार्थी (पार्टिसिपेंट) सीख रहें हैं।

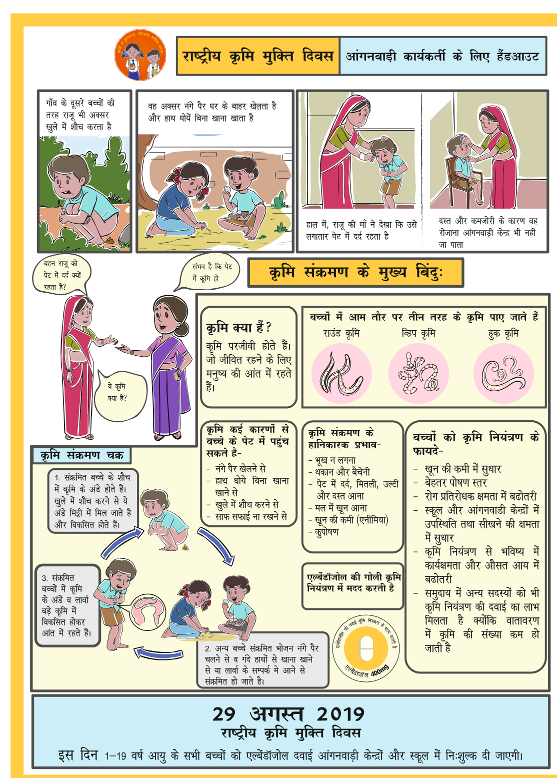

हैंडआउट

Evidence Action Deworm the World Initiative

1

गाँव के दूसरे बच्चों की तरह
राजू भी खुले में शौच करता है।

1

यह राजू है। गाँव के अन्य बच्चों की तरह वहः

- नंगे पैर खेलता व घूमता है
- बिना हाथ धोए खाना खाता है
- खुले में शौच जाता है
- शौच करने के बाद हाथ नहीं धोता है
- फल व सब्ज़ियाँ बिना धोए खाता है
- खाने को ढ़क कर नहीं रखता जिससे खाना दूषित हो सकता है

2

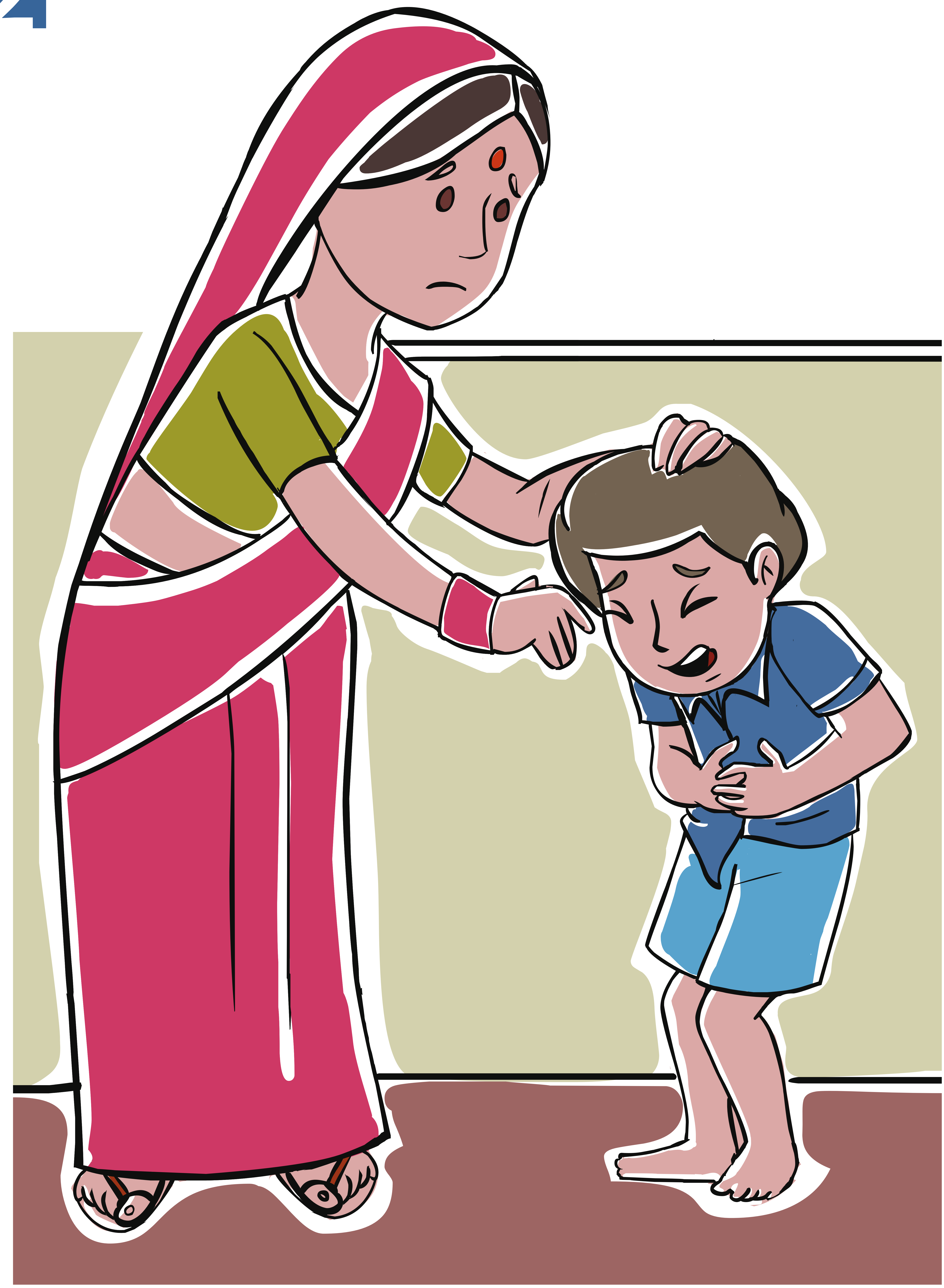

राजू अक्सर बीमार रहता है। दस्त और कमज़ोरी के कारण राजू आंगनवाड़ी भी नहीं जा पाता।

2

अक्सर राजू को यह लक्षण महसूस होते हैः

- खून की कमी (अनीमिया)
- कुपोषण
- कमज़ोरी और बेचैनी
- पेट में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी, दस्त
- भूख न लगना
- थकान
- वज़न में कमी

ये सारे लक्षण कृमि संक्रमण के कारण हो सकते हैं, कृमि यानी पेट के कीड़े।

3

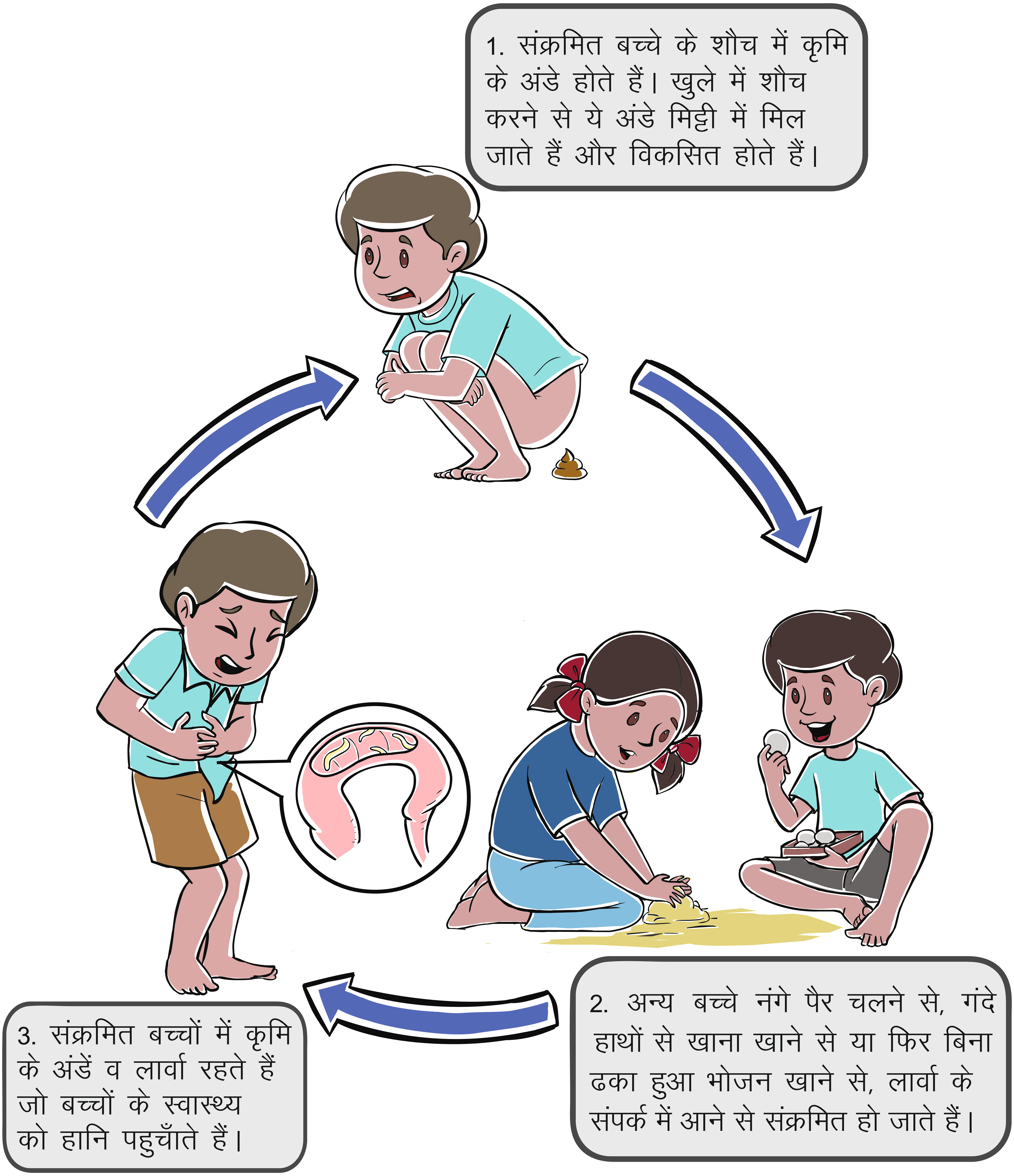

कृमि संक्रमण चक्र

3

➔ निर्देशः- आंगनवाड़ी कार्यकर्ती को हैंडआउट खोलने के लिए कहें

कृमि क्या हैं?

– कृमि परजीवी होते हैं, जो जीवित रहने के लिए मनुष्य की आंत में रहते हैं। कृमि मानव शरीर के जरूरी पोषक तत्व को खाते हैं जिनसे मनुष्य में खून की कमी, कुपोषण और वृद्धि में रुकावट होती है।

– कृमि आम तौर पर 3 प्रकार के होते हैं:

- राउंड कृमि
- व्हिप कृमि
- हुक कृमि

➔ निर्देशः- हैंडआउट में दिए गए चित्र को देखने के लिए कहें

कृमि संक्रमण चक्रः-

➔ निर्देशः- हैंडआउट में दिए गए संक्रमण चक्र पर ध्यान देने के लिए कहें और इसके माध्यम से कृमि संक्रमण चक्र को समझाएं

– कृमि की जितनी अधिक मात्रा (तीव्रता) होगी संक्रमित बच्चों में लक्षण उतने अधिक होंगे।

– हल्के संक्रमण वाले बच्चों में आम तौर पर कोई लक्षण दिखाई नहीं देते पर उनकी सेहत पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

– तीव्र संक्रमण से कई लक्षण होते हैं जैसे कमज़ोरी, भूख न लगना, खून की कमी व कुपोषण, जी मिचलाना, पेट में दर्द, उल्टी, दस्त, थकान।

➔ निर्देशः- समझाएं कि कृमि संक्रमण से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ता है, जिसके कारण भविष्य में उनकी कार्यक्षमता और औसत आय में कमी आ सकती है

अध्ययन दर्शाता हैं की स्कूल में कृमि नियंत्रण कार्यक्रम करने से बच्चों की अनुपस्थिति में 25% की कमी आती है

कृमि नियंत्रण कार्यक्रम

4

- कृमि से संक्रमित करोड़ों बच्चों के इलाज का सबसे आसान तरीका है कृमि नियंत्रण की दवाई खिलाना।
- एल्बेंडाजॉल (400mg) बच्चों और बड़ों के लिए सुरक्षित है।
- यह दवाई सभी बच्चों को खिलाना आवश्यक है।

बच्चों पर कृमि नियंत्रण के फायदे:

सीधे फायदे

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर

अनुमानिक फायदे

- स्कूल और आंगनवाड़ी में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार लाने में मदद
- भविष्य में कार्यक्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या में कमी होने पर समुदाय को

आयु अनुसार खुराक:

क्रम	उम्र	एल्बेंडाजॉल दवाई
1	1 से 2 साल के बच्चे	एल्बेंडाजॉल (आधी दवाई)
2	2 से 19 साल के बच्चे	एल्बेंडाजॉल (1 पूरी दवाई)

5

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप सप्ताह

5

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस **29 अगस्त 2019** को मनाया जाएगा।
- इस कार्यक्रम को स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग द्वारा चलाया जा रहा है।
- इस दिन स्कूल व आंगनवाड़ी के माध्यम से 1–19 साल के सभी नामांकित, पंजीकृत, गैर-पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को एल्बेंडाजॉल निःशुल्क खिलाई जाएगी।
- आंगनवाड़ी केन्द्र में 1–5 साल के सभी पंजीकृत और गैर-पंजीकृत बच्चों और 6–19 साल के स्कूल ना जाने वाले बच्चों को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा दवाई खिलाई जाएगी।
- स्कूल में 6–19 साल के सभी नामांकित बच्चों को शिक्षक द्वारा दवाई खिलाई जाएगी।
- स्कूलों और आंगनवाड़ी केन्द्रों में कृमि नियंत्रण कार्यक्रम की मदद से एक ही दिन में सभी बच्चों तक पहुँचा जा सकता है।
- जो बच्चे कृमि मुक्ति दिवस पर अनुपस्थिति या बीमारी के कारण छूट गए हैं उन्हें **30** अगस्त से **4** सितम्बर **2019** तक मॉप-अप सप्ताह के दौरान दवाई खिलवाएं।
- गैर-पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को आशा कार्यकर्ता नज़दीकी आंगनवाड़ी केन्द्रों पर कृमि नियंत्रण के लिए लाएं।

6

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के लिए
आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में आपकी भूमिका

6

आंगनवाड़ी आधारित राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के लाभ

1. आंगनवाड़ी-

- बड़ी संख्या में बच्चों को सुरक्षित ढंग से कृमि नियंत्रण की दवाई खिलाने का एक बेहतर अवसर और मंच मिलता है।
- कार्यक्रम को एक ही दिन में अधिक बच्चों तक पहुँचाने के लिए योग्य बनाते हैं क्योकि अधिक लक्षित बच्चे आंगनवाड़ी में मौजूद होते हैं।

2. आंगनवाड़ी कार्यकर्ती-

- आंगनवाड़ी कार्यकर्ती दवाई खिलाने के लिए एक अनमोल स्रोत हैं।
- वे बच्चों और माता-पिता को शिक्षित कर सकती हैं क्योंकि समुदाय में उनका काफ़ी सम्मान होता है।

कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ती की कुछ सामान्य ज़िम्मेदारियाँ हैं जो उन्हें राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले, कृमि मुक्ति दिवस और उसके बाद पूरा करना आवश्यक होता है

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले

1. आपके केन्द्र में सभी बच्चों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाई उपलब्ध हो यह सुनिश्चित करें।
2. ए.एन.एम. और स्थानीय स्वास्थ केन्द्र से संपर्क करें और उनका फोन नम्बर संभाल कर रखें।
3. 6–19 वर्ष के स्कूल ना जाने वाले बच्चों की सूची आप आशा से प्राप्त करें। आशा कृमि मुक्ति दिवस से पूर्व अपने क्षेत्र में गृह भ्रमण के समय सभी स्कूल ना जाने वाले बच्चों की सूची तैयार करेंगी।
4. आपके पास राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले निम्नलिखित सामग्री होः
   - आंगनवाड़ी रजिस्टर
   - रिर्पोटिंग फॉर्म (आशा, आंगनवाड़ी)
5. पोस्टर, बैनर आदि आइ. ई. सी. को सही तरीके से लगायें ताकि सभी उसे पढ़ पायें।
6. कृमि नियंत्रण कार्यक्रम के बारे में बच्चों, माता-पिता और समुदाय को जागरूक करें।

सामुदायिक जागरूकता में आपकी अहम भूमिका

7

- समुदाय को बच्चों के स्वास्थ्य पर कृमि संक्रमण से होने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी दें।

- समुदाय को कृमि नियंत्रण के लाभ एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बारे में बताएं।

- माता-पिता और आंगनवाड़ी केन्द्र पर आने वाली महिलाओं को **29** अगस्त **2019**, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर अपने बच्चों को आंगनवाड़ी पर लाने के लिए प्रोत्साहित करें।

- ग्राम पंचायत और वी.एच.एस.एन.सी. मीटिंग द्वारा समुदाय के लोगों को जागरूक करने में आशा का मार्गदर्शन और मदद करें।

- समुदाय को सूचित करें कि भिन्न स्रोतों से इस कार्यक्रम के बारे में प्रचार किया जा रहा है जैसे अखबार, टी.वी., रेडियो इत्यादि, उन्हें ध्यान से सुनें व देखें।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

8

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस परः

- **सुनिश्चित करें कि आपके आसपास आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों जैसेः**

• पीने का साफ पानी • पीने के लिए गिलास • प्रर्याप्त मात्रा में दवाई • दवाई को चूरा करने और खिलाने के लिए चम्मच • आपातकालीन फोन नंबर • उपस्थिति रजिस्टर

- **एल्बेंडाजॉल दवाई खिलाने का सही तरीकाः**

• 1–2 साल के बच्चों को आधी दवाई दो चम्मच के बीच रखकर पूरी तरह चूरा करें और पीने के पानी में मिलाकर ही पिलाएं।
• 2–3 साल के बच्चों को एक पूरी दवाई को दो चम्मच के बीच रखकर पूरी तरह चूरा करें और पीने के पानी में मिलाकर ही पिलाएं।
• 3–19 साल के बच्चों को एक पूरी दवाई खिलाएं। गले में दवाई अटकने से बचाने के लिए बच्चों को हमेशा दवाई चबाकर खाने की सलाह दें। पीने का पानी साथ रखें।
• बिना चूरा या चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई का प्रभाव महत्वपूर्ण रूप से कम हो सकता है।
• दवाई का सेवन खाली पेट भी किया जा सकता है।

क्या करें?	क्या न करें?
• सांस में अवरोध से बचने के लिए हमेशा बच्चों को दवाई चबाने की सलाह दें। • पीने का पानी साथ रखें। • आगंनवाड़ी कार्यकर्ता चम्मच से अपने सामने ही हर बच्चे को दवाई खिलाएं।	• जो बच्चा बीमार है या अन्य कोई दवाई ले रहा है, उन्हें यह दवाई ना खिलाएं। • बच्चों को पानी से दवाई निगलने के लिए ना कहें। • दवाई घर ले जाने ना दें। • बच्चों को ज़बरदस्ती दवाई ना खिलाएं

- **आंगनवाड़ी में प्रतिकूल घटना (साइड इफेक्ट्स) होने पर क्या करें?**

• यह दवाई बच्चों और बड़ों दोनों के लिए सुरक्षित है।
• जिन बच्चों में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई खाने पर कुछ मामूली प्रतिकूल लक्षण जैसे-जी मिचलाना, पेट में हल्का दर्द, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं। प्रतिकूल नीति चरणों का पालन करें।
• यह प्रतिकूल लक्षण अस्थाई होते हैं और आम तौर पर आसानी से आंगनवाड़ी केन्द्र में संभालें जा सकते हैं।
• ऐसी स्थिति में बच्चे को खुली छायादार जगह में लिटाकर आराम कराएं। उसे पीने का साफ पानी दें और बच्चे को निगरानी में रखें।

- **एल्बेंडाजॉल आसानी से चबाकर खाने वाली दवाई है** – फिर भी अगर दवाई का टुकड़ा गले में अटक जाए तो बच्चे को छाती के बल अपनी गोद में लिटाएं और उसकी पीठ हल्के से थपथपाएं जिससे दवाई निकल जाए।

• किसी भी चिकित्सालय सहायता के लिए **108** नम्बर पर फोन करें।

9

रिकार्डिंग

रिपोर्टिंग

जमा करने वाली कॉपी

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 29 अगस्त 2019
आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्म

* कृपया नीचे दिए गए सभी विवरण भरें और किसी भी बॉक्स को खाली न छोड़ें।

राज्य का नाम:	जिला का नाम:
ब्लॉक का नाम:	ग्राम/नगर का नाम:

परियोजना का नाम:	आंगनवाड़ी केंद्र:	आंगनवाड़ी कोड:	
	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने कृमि मुक्ति दिवस प्रशिक्षण प्राप्त किया है ?		हाँ/नहीं

एल्बेंडाजॉल दवाई का कवरेज

लक्षित विवरण	लड़कियाँ	लड़के	कुल
आंगनवाड़ी केंद्र में **पंजीकृत** बच्चों की कुल संख्या (1 से 5 साल तक)			
आंगनवाड़ी केंद्र में **गैर–पंजीकृत बच्चों** की कुल संख्या (1 से 5 साल तक)			
आंगनवाड़ी केंद्र में **स्कूल ना जाने वाले बच्चों** की कुल संख्या (6 से 19 साल तक)			
खिलाई गई एल्बेंडाजॉल दवाई का कवरेज			
पंजीकृत बच्चों पंजीकृत बच्चों की कुल संख्या (1 से 5 साल तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप सप्ताह के दौरान एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(1)
गैर पंजीकृत बच्चों पंजीकृत बच्चों की कुल संख्या (1 से 5 साल तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप सप्ताह के दौरान एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(2)
स्कूल ना जाने वाले बच्चों पंजीकृत बच्चों की कुल संख्या (6 से 19 साल तक) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप सप्ताह के दौरान एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी			(3)
कुल योग: बच्चों की कुल संख्या जिन्हें एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलाई गयी (T = 1+2+3)	(T)		

आंगनवाड़ी केंद्र से सूचित **गंभीर प्रतिकूल घटनाओं** की कुल संख्या (प्रतिकूल घटना रिपोर्टिंग प्रारूप प्रस्तुत करें)	
स्टॉक विवरण	
आंगनवाड़ी केंद्र को प्राप्त एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या	
आंगनवाड़ी केंद्र के पास बची एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या	

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का नाम	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के हस्ताक्षर
आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का फोन नंबर	फॉर्म जमा करने की तिथि

किसी भी समस्या के निवारण हेतु आप राज्य/जिला कार्यालय में बात कर सकते हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रिपोर्टिंग फॉर्म को भर कर 10 सितम्बर 2019 तक ए.एन.एम. के पास जमा करें

ए.एन.एम. सभी आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्मस को ब्लॉक पर 17 सितम्बर 2019 तक जमा करें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए सही तरीके और समय पर रिर्पोट करने में आपकी अहम भूमिका!

9

1. रिकॉर्डिंग

- आशा द्वारा बनाई स्कूल न जाने वाले बच्चों की सूची (आशा रिपोर्टिंग फार्म) की एक कापी आशा कार्यकर्ता से लें।
- आशा द्वारा बनाई गई सूची से आगंनवाड़ी कार्यकर्ती अपने पास रखी किशोरियों की सूची को भी अपडेट करें।
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई खिलाने के साथ-साथ रजिस्टर और आशा द्वारा बनाई सूचि (आशा फॉर्म) में सभी बच्चों के नाम के सामने एक सही का (✓) निशान लगायें।
- मॉप-अप सप्ताह के दौरान दवाई खिलाने के साथ-साथ रजिस्टर और आशा द्वारा बनाई सूची में सभी बच्चों के नाम के आगे दो सही के (✓✓) निशान लगायें।

➔ **निर्देशः- आंगनवाड़ी कार्यकर्ती को साथ दिए गए रिपोर्टिंग फॉर्म को हैंडआउट से अलग करने को कहें, उसे भरने का सही तरीका विस्तार से समझाएं।**

2. रिपोर्टिंग

- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप सप्ताह के दौरान दर्ज किए गऐ सही के निशानों की संख्या रिपोर्टिंग फॉर्म में दर्ज करके **10 सितम्बर 2019** तक ए.एन.एम. को दें।
- 6–19 साल के स्कूल ना जाने वाले बच्चों के आंकड़ो के लिए आशा द्वारा बनाई गई सूची का प्रयोग करें।
- आशा रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी ए.एन.एम. को जमा करें।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ती सही के निशान की संख्या लिखने से पहले सुनिश्चित करें कि संख्या/गिनती सही की गई है।
- रिकॉर्ड और सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी अपनी आंगनवाड़ी पर संभाल कर रखें।

➔ **निर्देशः- प्रशिक्षक साथ दिए रिपोर्टिंग के दिशानिर्देश के**

10

नाखून साफ
और छोटे रखें

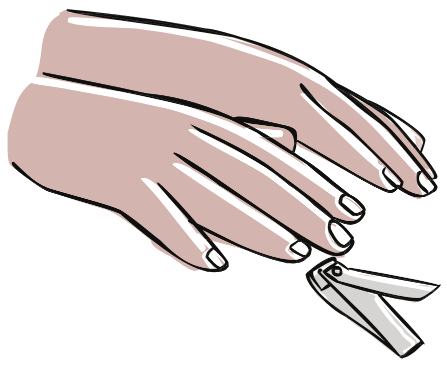

आस पास
सफ़ाई रखें

हमेशा साफ
पानी पीएं

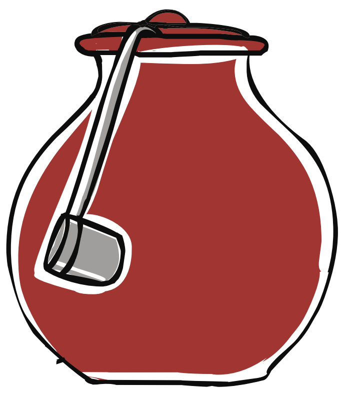

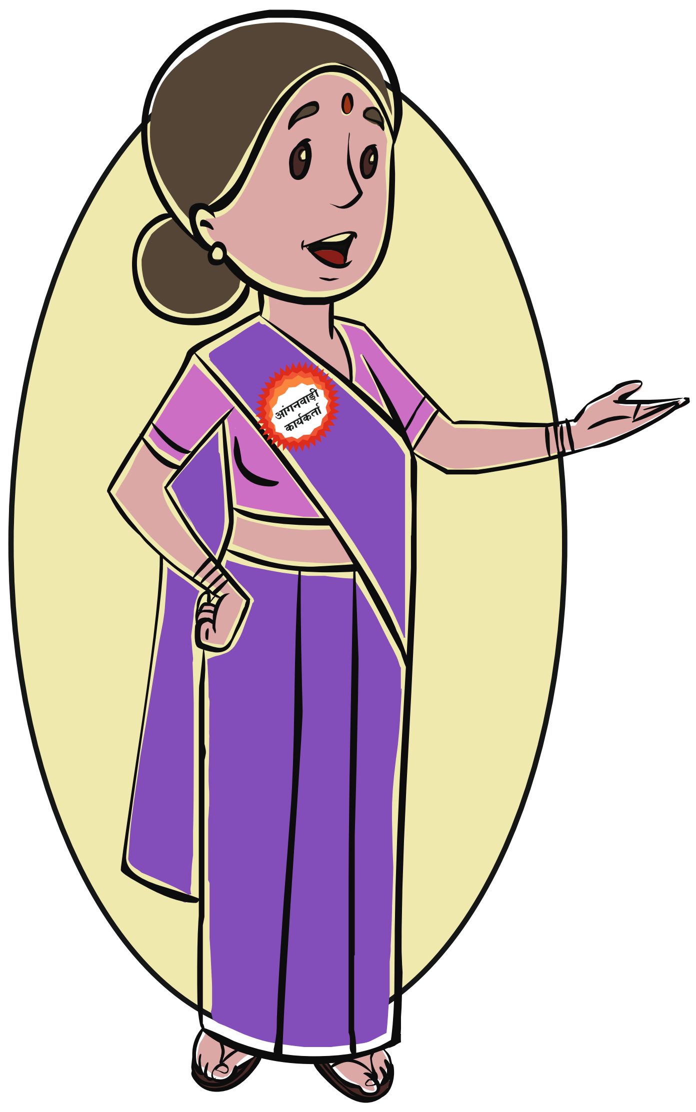

जूते पहनें

खाने को ढ़क
कर रखें

खुले में शौच ना
करें, हमेशा शौचालय
का प्रयोग करें

साफ पानी
से फल व
सब्ज़ियाँ धोएं

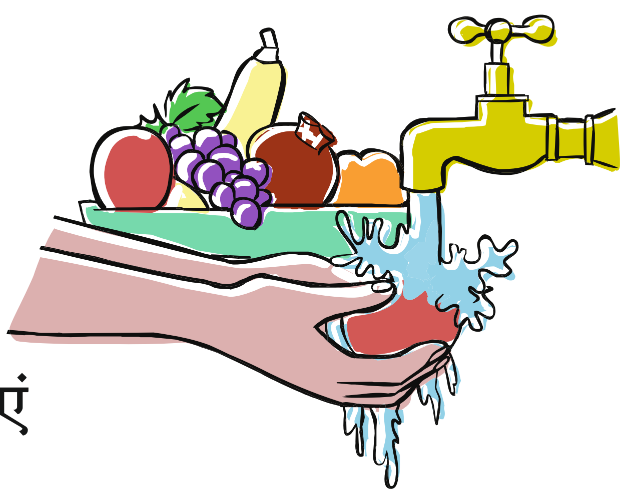

अपने हाथ साबुन से
धोएं, विशेषकर खाने
से पहले और शौच
जाने के बाद

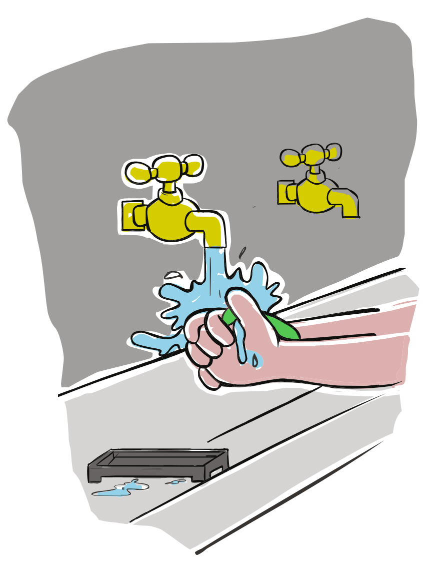

कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए आसान एवं महत्वपूर्ण व्यवहार

10

राजू अब स्वस्थ महसूस करता है। वह समुदाय तथा अपने दोस्तो को इन आवश्यक बातों के बारे में बताता है:

- घर, आंगन व आसपास सफाई रखें
- जूते पहनें
- खुले में शौच ना करें, शौचालय का प्रयोग करें
- अपने हाथ साबुन से अवश्य धोएं, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद
- साफ पानी से फल व सब्ज़ियाँ धोएं
- खाने को ढ़क कर रखें
- हमेशा साफ पानी पीएं
- नाखून साफ और छोटे रखें

बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक और निर्देशानुसार भागीदार बनें।

याद रखें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवसः **29 अगस्त 2019**

मॉप–अप सप्ताहः **30 अगस्त से 4 सितम्बर 2019**

आंगनवाड़ी रिपोर्टिंग फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथिः **10 सितम्बर 2019**